पुस्तकालय

(1)

3204
2/4/12

सत्यमेव जयते

असंशोधित

16 MAR 2012

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
गै०स०प्रे०सं० 567 तिथि 02-5-12

तारांकित प्रश्न सं0-1867(श्रीमती सुनीता सिंह)

श्री गिरिराज सिंह,मंत्री : महोदय, समय चाहिये ।

अध्यक्ष : समय चाहिये ।

तारांकित प्रश्न सं0-1868(श्रीमती लेसी सिंह)

श्री गिरिराज सिंह,मंत्री : समय चाहिये महोदय ।

अध्यक्ष : समय चाहिये ।

तारांकित प्रश्न सं0-1869(श्री अरूण मांझी)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री : महोदय, 1. आंशिक स्वीकारात्मक है । वर्तमान में 14-16 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है ।

2. केंद्रीय प्रक्षेत्र से प्राप्त विद्युत के अलावे बोर्ड द्वारा अतिरिक्त 500 मेगावाट क्रय करने के कारण पूर्व से आवंटित बिजली 5 मेगावाट के बदले 10 मेगावाट कर दिया गया है, 5 मेगावाट के बदले में, परिणामस्वरूप मसौढ़ी एवं धनरूआ प्रखंड को वर्तमान में 14-16 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

तारांकित प्रश्न संख्याः- १८६९ का पूरक

श्री अरुण मांझीः- अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि आस-पास जितने ब्लॉक हैं, प्रखंड हैं, सब में बिजली १६ घंटा, १८ घंटा, २० घंटा, मिलता है लेकिन मसौढ़ी और धनरुआ दोनों प्रखंड में बिजली मात्र ६ से ७ घंटा ही बिजली मिलता है,तो बाकी ब्लॉक की तरह मेरे ब्लॉक में भी बराबर बिजली कब तक किया जायेगा।

अध्यक्षः- बाकी ब्लॉकों की तरह कि आपके क्षेत्र के ब्लॉक में।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्रीः- यह कठिनाई है महोदय,वहाँ कुछ नेटवर्किंग डेवेलप करने पड़ेंगे, माननीय सदस्य मिलकर भी यह बात कहते रहे हैं, निश्चित तौर से अगले वित्तीय वर्ष में उस नेटवर्क को, जो सप्लाई का सिस्टम है,उसको ठीक करके और संतुलन स्थापित किया जायेगा।

अध्यक्षः- ठीक है।

तारांकित प्रश्न संख्याः-१८७० (मा०सदस्य श्री अमरनाथ गामी)

श्री गिरिराज सिंह, मंत्रीः- महोदय, समय चाहिए।

तारांकित प्रश्न संख्या- १८७१ (मा०सदस्या श्रीमती उषा सिन्हा)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्रीः- उत्तर आंशिक स्वीकारात्मक है। इस गॉव में राजीव गॉधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अन्तर्गत १६ के०भी०ए० का ट्रान्सफर्मर स्थापित कर सीमित बी०पी०एल० परिवारों को विद्युत संवर्द्धन दिया जा चुका है। योजना के सीमित आकार के कारण अन्य आवेदकों को विद्युत संवर्द्धन नहीं दिया जा सका। संपूर्ण जिले के अविद्युतिकृत,आंशिक विद्युतीकृत गॉव, टोले के विद्युतीकृत हेतु डी०पी०आर० तैयार कर आर०ई०सी० के माध्यम से केन्द्र सरकार को स्वीकृति हेतु भेजा गया है। स्वीकृति प्राप्त होने पर वर्णित गॉव के अन्य आवेदकों के घर को विद्युतीकृत करने की कार्रवाई की जायगी। माननीय सदस्या को मैं कहता हूँ कि इसी ३१ मार्च तक उसकी स्वीकृति प्राप्त हो जायगी नालंदा जिले में और अगले वित्तीय वर्ष में कार्य प्रारंभ किया जायेगा,जो छूटे हुए गॉव है, टोले है, मुहल्ले हैं।

तारांकित प्रश्न संख्याः-१८७२ (मा०सदस्य श्री प्रदीप कुमार)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्रीः- उत्तर आंशिक स्वीकारात्मक है। एग्री उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति जारी है तथा राजकीय नलकूप चालू है। सौर इस गॉव का विद्युतीकरण कार्य राजीव गॉधी विद्युतीकरण योजना के तहत प्रगति पर है,इसे मई २०१२ में पूर्ण कर लिया जायेगा। वरनामा राजीव गॉधी विद्युतीकरण योजना अन्तर्गत विद्युतीकरण किया गया, परन्तु त्रुटिपूर्ण ११ हजार के०भी०ए० लाईन के कारण कठिनाई हुई,इसे शीघ्र मरम्मत कर विद्युत आपूर्ति चालू करने हेतु पावर ग्रीड पर दबाव दिया गया है तथा दो माह में पूरा करने का लक्ष्य है। मकनपुर विद्युत आपूर्ति चालू है,ब्रेक डाउन आदि के कारण कभी-कभी आपूर्ति बाधित हो जाती है,जिसका निराकरण कर आपूर्ति बहाल कर दी जाती है। कटरी उपभोक्ताओं को विद्युत संवर्द्धन लेने हेतु सारी औपचारिकता पूर्ण करने हेतु कहा गया है, औपचारिकता पूर्ण होने पर ट्रान्सफर्मर स्थापित करने की प्रक्रिया की जायगी। वर्णित क्षेत्र में केन्द्रीय प्रक्षत्र तथा अन्य श्रोतो से प्राप्त बिजली को अनुपातित ढंग से वितरित की जाती है,मांग के अनुरुप बिजली न मिल पाने के कारण विद्युत आपूर्ति में कमी है।